भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
उर्वरक विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2903

जिसका उत्तर मंगलवार, 19 अगस्त, 2025/28 श्रावण, 1947, (शक) को दिया जाना है।

नागालैंड में जैव उर्वरकों को बढ़ावा देना

2903. श्रीमती एस. फान्गनॉन कोन्याक्

क्या **रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) नागालैंड में जैव उर्वरकों को बढ़ावा देने के लिए क्या प्रयास किए गए हैं; और
(ख) नागालैंड के किसानों को इस संबंध क्या प्रोत्साहन दिए गए हैं?

उत्तर

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) और (ख): भारत सरकार, नागालैंड राज्य सरकार के सहयोग से, राज्य में ऑर्गेनिक और सतत कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए जैव उर्वरकों के उपयोग को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रही है। यह रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता को कम करने और मृदा स्वास्थ्य में सुधार के लिए एक व्यापक राष्ट्रीय मुहिम का हिस्सा है।

उत्तर पूर्वी राज्यों के लिए उत्तर पूर्वी क्षेत्र के लिए मिशन ऑर्गेनिक वैल्यू चेन डेवलपमेंट (एमओवीसीडीएनईआर) स्कीम के माध्यम से ऑर्गेनिक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। इस स्कीम में जैविक खेती में लगे किसानों को उत्पादन से लेकर प्रसंस्करण, प्रमाणन और विपणन तक, संपूर्ण सहायता प्रदान करने पर ज़ोर दिया जाता है। इस स्कीम का मुख्य उद्देश्य छोटे और सीमांत किसानों को प्राथमिकता देते हुए जैविक क्लस्टर बनाना है ताकि आपूर्ति श्रृंखला बनाई जा सके। इस स्कीम को राज्य सरकारों के माध्यम से कार्यान्वित किया जाता है। एमओवीसीडीएनईआर के तहत, किसान उत्पादक संगठन के सृजन हेतु, जैविक आदानों आदि के लिए किसानों को सहायता के रूप में 3 वर्ष में 46,500 रुपये प्रति हेक्टेयर की सहायता प्रदान की जाती है। इसमें से किसानों को इस स्कीम के तहत खेत पर/खेत के बाहर जैविक आदानों के लिए प्रति हेक्टेयर 32500 रुपये की सहायता प्रदान की जाती है जिसमें उन्हें प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के रूप में दी जाने वाली 15,000 रुपये की सहायता शामिल है।

इम्फाल में स्थित नेशनल सेंटर फॉर ऑर्गेनिक एंड नेचुरल फार्मिंग (एनसीओएनएफ) और इसका क्षेत्रीय कार्यालय(आरसीओएनएफ) प्रशिक्षण और जागरूकता अभियान आयोजित करते हैं। किसानों, एक्सटेंशन अधिकारियों और अन्य हितधारकों को जैव उर्वरकों के लाभों और उचित उपयोग के बारे में शिक्षित करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएं नियमित रूप से आयोजित की जाती हैं। कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेंसी (एटीएमए) जैसे संगठन जैव उर्वरकों के साथ बीज उपचार जैसे विषयों पर प्रदर्शन का आयोजन करते हैं।

मिशन ऑर्गेनिक वैल्यू चेन डेवलपमेंट (एमओवीसीडीएनईआर) के तहत नागालैंड को वर्ष 2020-21 से 2024-25 तक के दौरान आवंटित और जारी की गई निधियों का विवरण इस प्रकार है:

(राशि लाखों में)

वर्ष	**आवंटन**	**जारी राशि**
2020-21	2,837.80	2,258.89
2021-22	2,781.18	2,114.20
2022-23	1,961.01	1,390.60
2023-24	2,346.10	2,346.10
2024-25	4,250.00	2,798.00

****